Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

भारत लोग और अर्थव्यवस्था

कक्षा -12

अध्याय -4

जल संसाधन

भाग - 2

रामावतार यादव

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

लैगून एवं पश्च जल

- केरल, उड़ीसा तथा पश्चिम बंगाल राज्यों के तट बहुत कटे-फटे होने के कारण अनेक लैगून तथा झील पायी जाती है
- मछली पालन तथा चावल व नारियल की कृषि की जाती है।

जल की मांग और उपयोग

- भारत के कुल धरातलीय जल के 89% भाग तथा भौमजल के 92% भाग का उपयोग कृषि कार्य में किया जाता है।

S.W → 89%
G.W → 92%
} कृषि

पृथ्वी

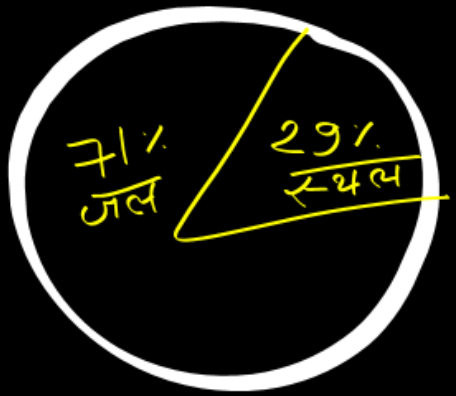

71%
जल

97% लवणीय (खारा)

3% स्वच्छ मीठा जल

Under CSR Support by ipca | Foundation

पश्च जल

→ लैगून झीलों को केरल क्याल कहते हैं।

धान, नारियल, मछली पालन के लिए प्रसिद्ध।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

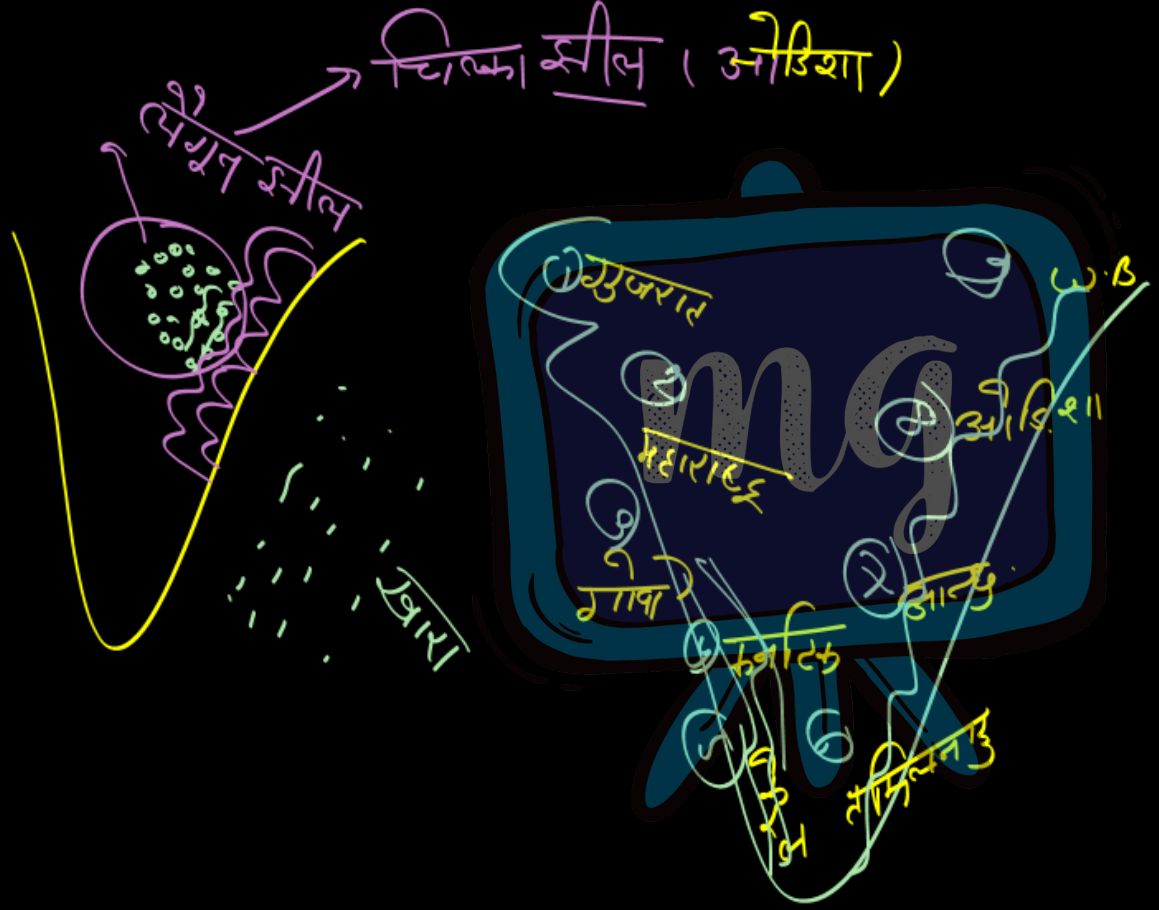

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

सिंचाई के विकास के लिए बहुउद्देशीय नदी घाटी परियोजनाएं जैसे- भाखड़ा-नांगल, हीराकुड, दामोदर घटी, नागार्जुन सागर, इंदिरा गांधी नहर परियोजना आदि शुरू की है।

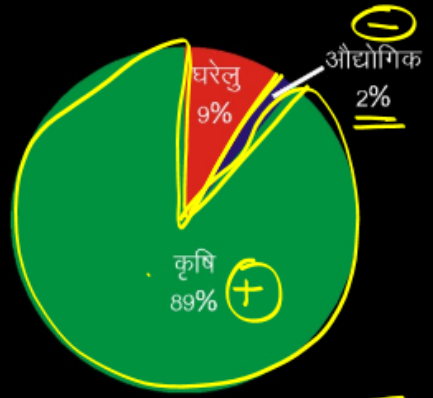

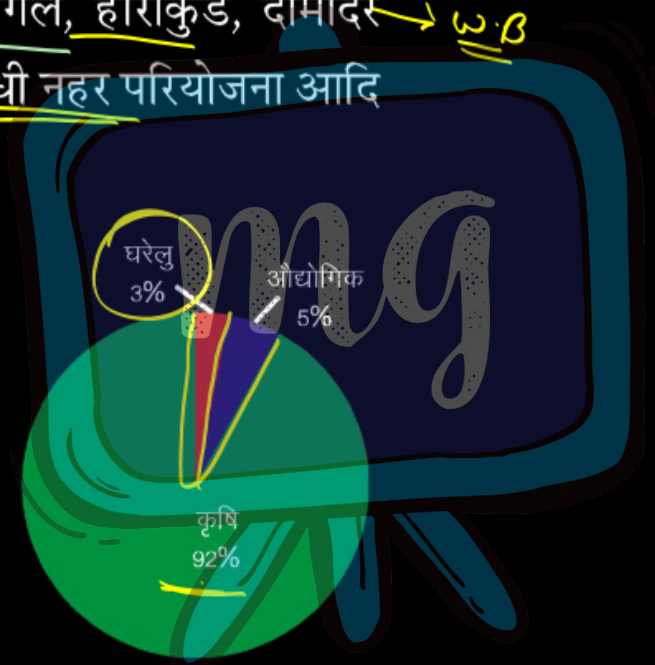

धरातलीय जल की निकासी

भौमजल की निकासी

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

बहुउद्देशीय नदी घाटी परियोजना →

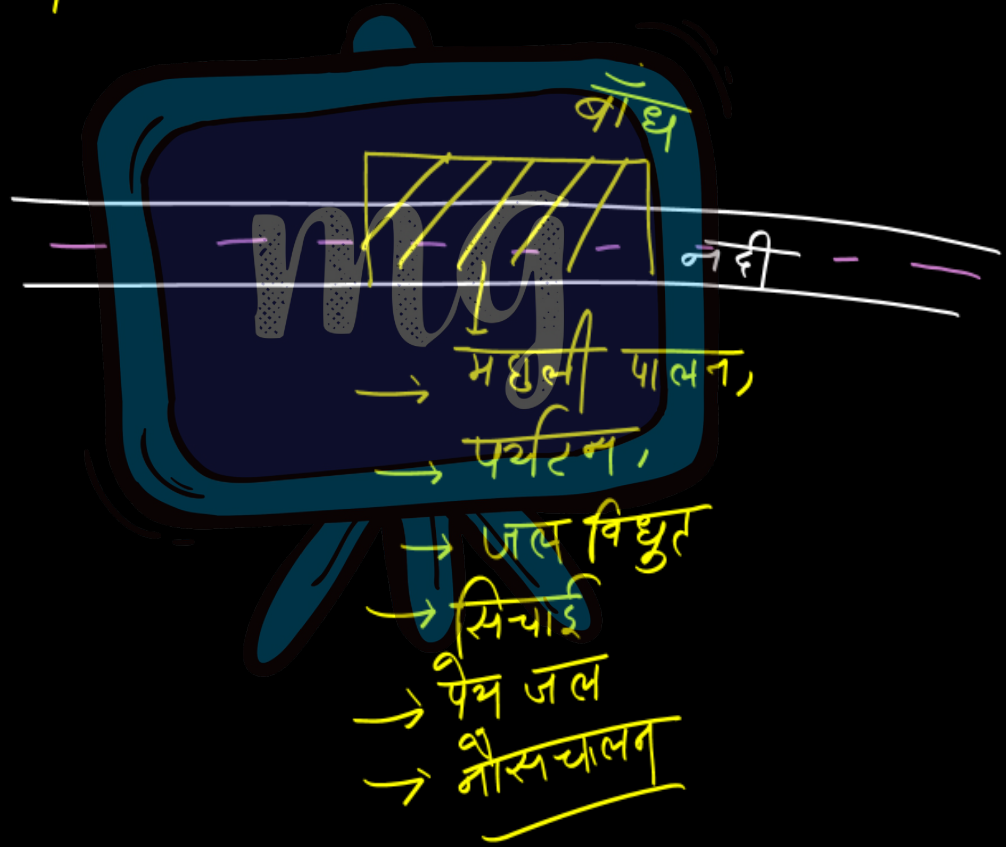

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

ऐसी परियोजना जिसका उद्देश्य मत्स्य पालन, पेय जल, सिंचाई, जलविद्युत पर्यटन आदि होते हैं। उसे बहुउद्देशीय परियोजना कहते हैं।

→ बहुउद्देशीय नदी घाटी परियोजना प० जवाहर लाल नेहरू आधुनिक भारत के मन्दिर कहे।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

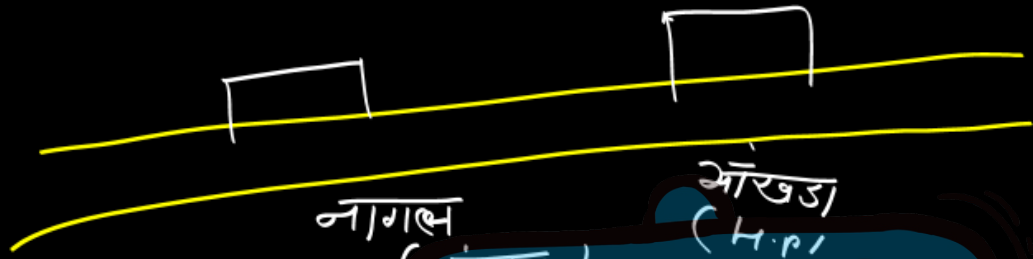

→ ऑखडा-नागल (पंजाब-हिमाचल प्रदेश) हैं

↳ प० नेहरू "अद्भुत चमत्कारित विराट वस्तु"

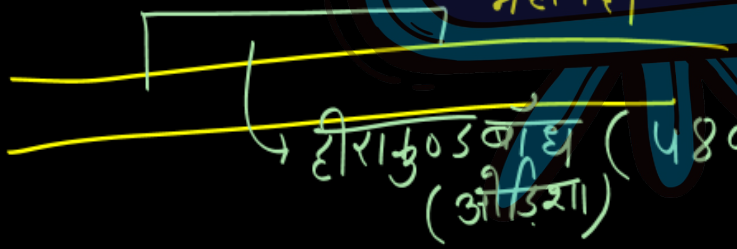

↳ हीराकुंड बाँध (5401 मी.) (भारत का सबसे लम्बा बाँध)
(ओड़िशा)

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

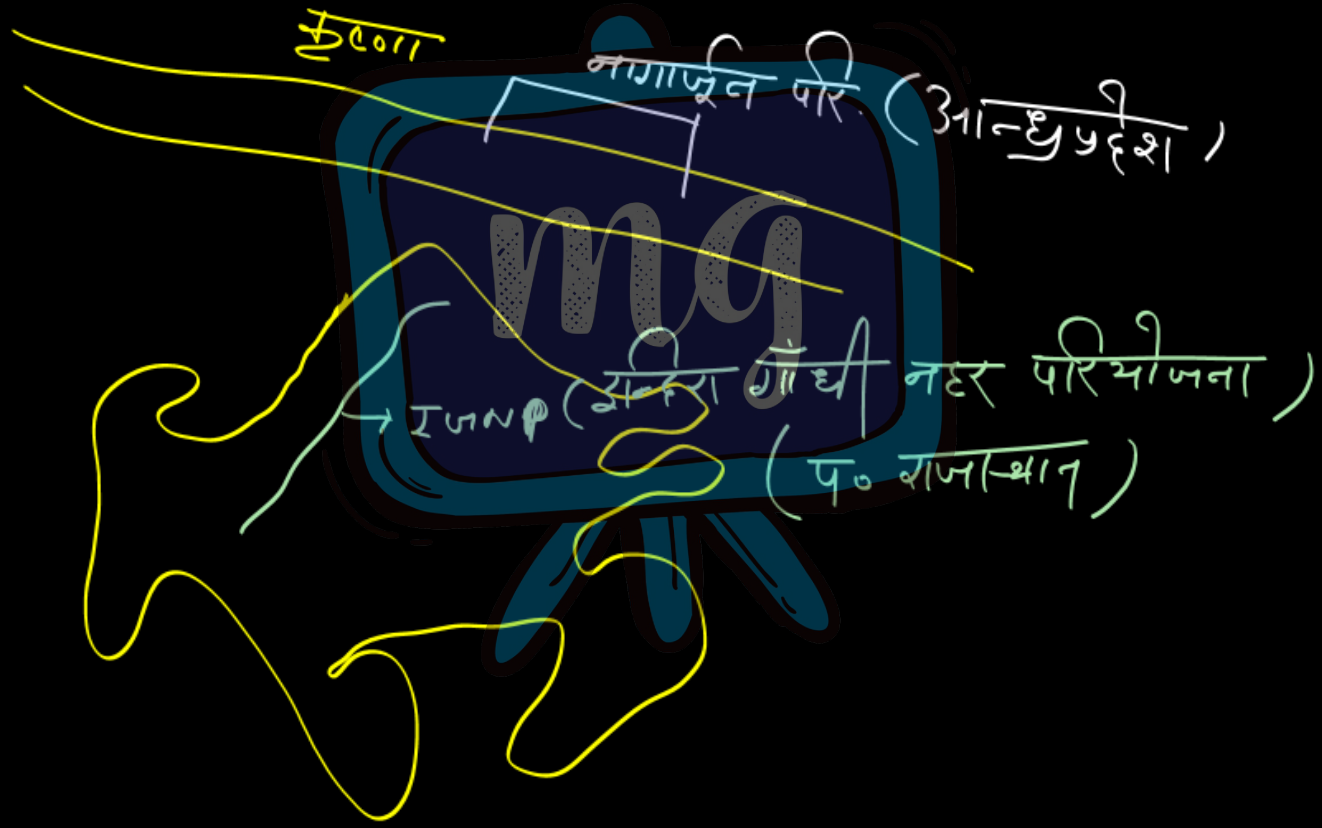

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

सिंचाई के लिए जल की मांग

देश के कृषि क्षेत्रों में वर्षा की स्थानिक व सामयिक परिवर्तनशीलता के कारण सिंचाई की आवश्यकता पड़ती है।

- सिंचाई की उपलब्धता बहुफसलीकरण के साथ-साथ कृषि उत्पादकता पर भी अनुकूल प्रभाव डालती है।
- सिंचाई की पर्याप्त उपलब्धता के कारण ही पंजाब, हरियाणा तथा पश्चिमी उत्तर प्रदेश में हरित क्रान्ति की रणनीति अधिक सफल हुई है।

स्थानीय

कृषि

सिंचाई → वर्षा

फसल ऋतु - 3

(1) रबी फसल

(2) खरीफ फसल (वर्षा ऋतु)

(3) जायद फसल

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

पंजाब हरियाणा
श्रीगंगा, हनु. प. U.P → नहरों से सिंचाई

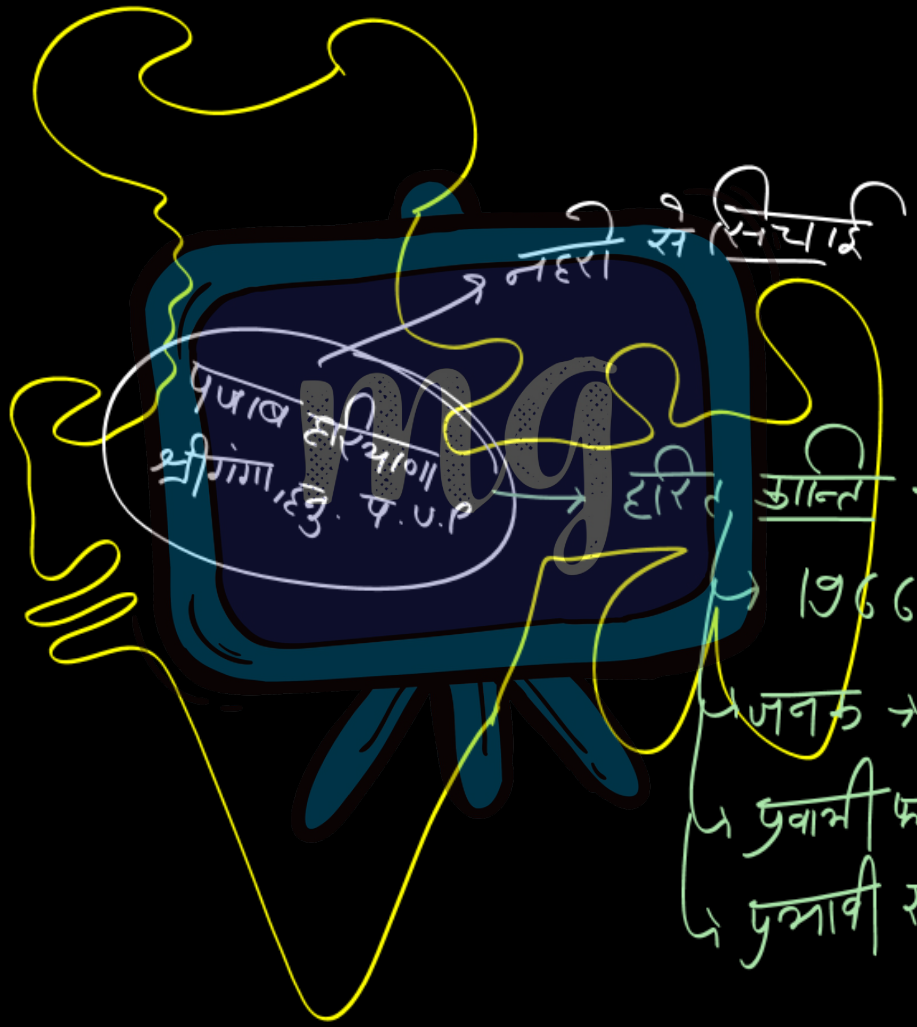

→ हरित क्रान्ति सर्वाधिक सफल

→ 1966-67

जनक → M.S. स्वामीनाथन

प्रभावी फसल → चावल, गेहूं

प्रभावी राज्य - (1) पंजाब (2) हरियाणा
(3) प० उत्तरप्रदेश

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- इन क्षेत्रों में नलकूपों तथा कुओं द्वारा भूमिगत जलीय संसाधनों के अत्यधिक उपयोग से भूमिगत जल का स्तर लगातार गिरता जा रहा है।
- जिससे राजस्थान व महाराष्ट्र में फ्लुओराइड का तथा पश्चिम बंगाल व बिहार में संखिया (आर्सेनिक) का संक्रेन्द्रण बढ़ रहा है।

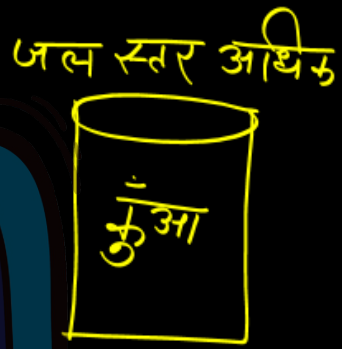

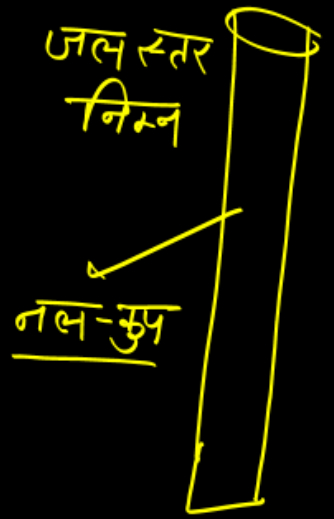

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

जल में फ्लोराइड की मात्रा

॥ राजस्थान व महाराष्ट्र

फ्लोराइड युक्त पानी पीने से शरीर विकृतियां उत्पन्न।

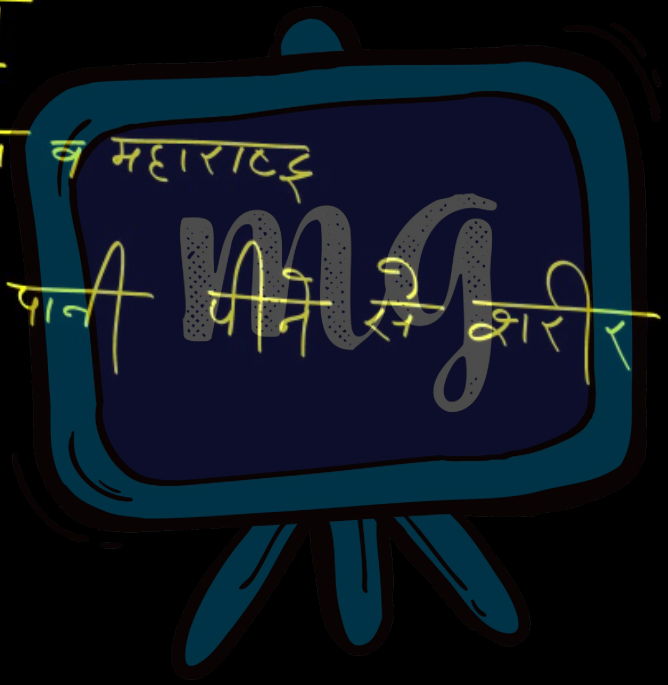

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

जल के गुणों का ह्रास

- जल में अवांछित बाह्य पदार्थों से जल प्रदूषित होता है। जैसे- सूक्ष्मजीवों, रासायनिक पदार्थों एवं औद्योगिक अपशिष्टों के मिश्रण से।
- जब प्रदूषक तत्व भूमि में नीचे भी पहुँच जाते हैं तो भौम जल को प्रदूषित करते हैं।

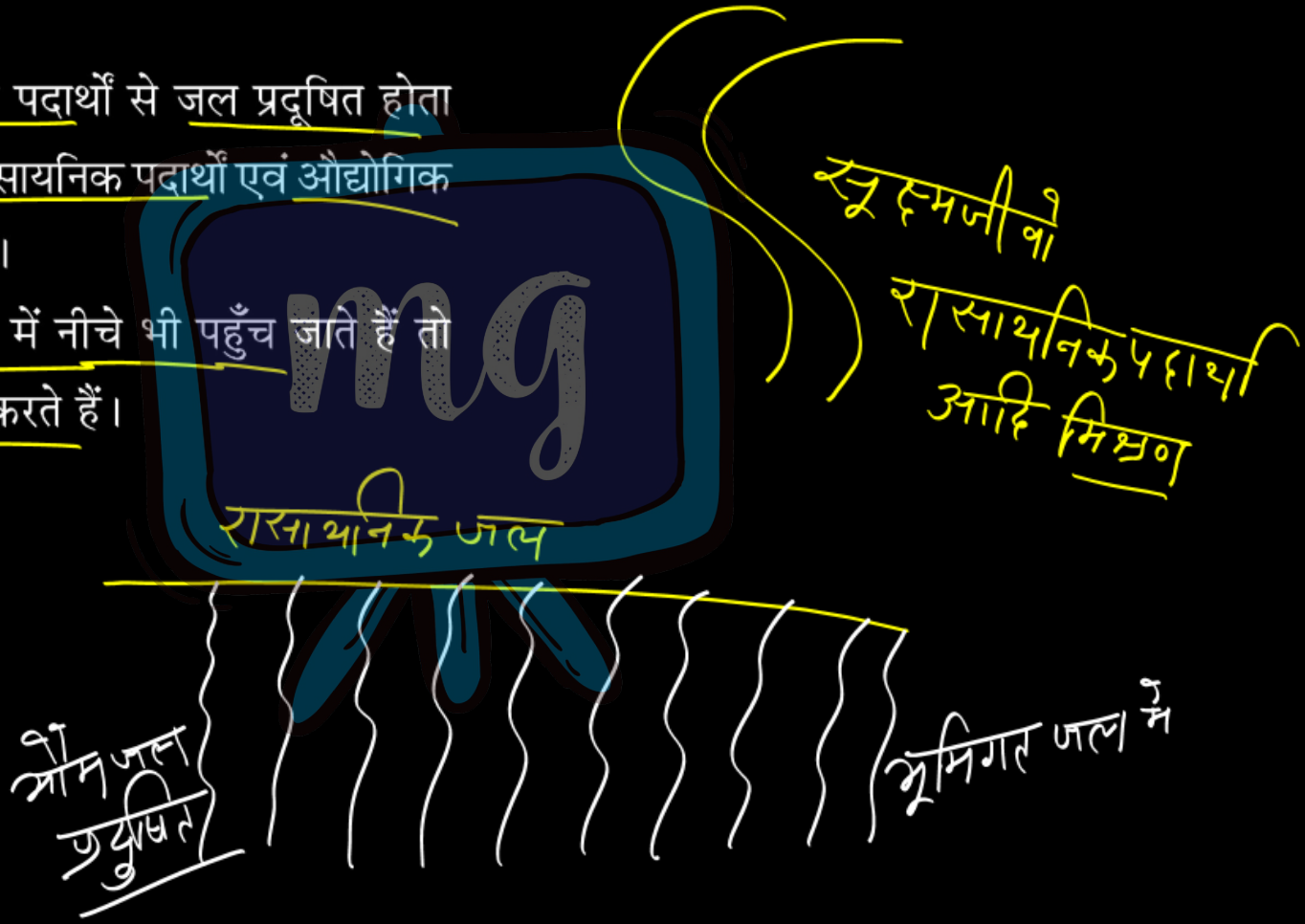

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

जल संरक्षण एवं प्रबन्ध

भारत में स्वच्छ जल की घटती उपलब्धता तथा बढ़ती मांग के कारण जल संरक्षण व प्रबन्धन के लिए प्रभावी कदम उठाने की आवश्यकता है।

- जल बचत तकनीक और विधियों का विकास
- प्रदूषण से बचाव के उपाय
- जल-संभर विकास
- वर्षा जल संग्रहण
- जल के पुनः चक्रण एवं उपयोग